नाथ थारे काई को घाटो रे लिरिक्स

नाथ थारे काई को घाटो रे,
सांवरिया काई को घाटो,
दर्शन से मारा पाप कटे तो,
थे क्यों नहीं काटो,
नाथ थारे काई को घाटो रे,
सांवरिया काई को घाटो।bd।

भक्त प्रहलाद भरोसे थारे,
कियो पिता से बेर,
सांवरिया कियो पिता से बेर,
खंब फाड़ नरसिंह बण आया,
करी ना पल की देर,
खंब यो हरडाटे फाटयो जी,
खंब यो हरडाटे फाटयो,
दर्शन से मारा पाप कटे तो,
थे क्यों नहीं काटो,
नाथ थारे काई को घाटो रे,
सांवरिया काई को घाटो।bd।

बृजवासी घबराया एक दिन,
इंद्र का डर से रे,
सावरिया इंद्र का डर से,
ब्रज को लियो रे उबार सावरा,
नख गिरवर धर के,
पडयो नहीं पाणी को छाटो रे,
सांवरा पाणी को छाटो,
दर्शन से मारा पाप कटे तो,
थे क्यों नहीं काटो,
नाथ थारे काई को घाटो रे,
सांवरिया काई को घाटो।bd।

नामदेव को छप्परो छा बा,
आग्या मांड मंडासो रे,
सांवरा आग्या मांड मंडासो,
लक्ष्मी जी भी बंद खचवाया,
देख्यो लोग तमासो,
भजन को छायो थे टाटो सो,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

सांवरा छायो थे टाटो,
दर्शन से मारा पाप कटे तो,
थे क्यों नहीं काटो,
नाथ थारे काई को घाटों रे,
सांवरिया काई को घाटो।bd।

ना भक्ति ना पूजा जानू,
सीधी साधी बात,
सांवरिया सीधी साधी बात,
सोहन लाल लुहाकर गावें,
गलती करज्यो माफ,
कान को खोलों थे डाटों रे,
कान को खोलों थे डाटों,
दर्शन से मारा पाप कटे तो,
थे क्यों नहीं काटो,
नाथ थारे काई को घाटों रे,
सांवरिया काई को घाटो।bd।

नाथ थारे काई को घाटो रे,
सांवरिया काई को घाटो,
दर्शन से मारा पाप कटे तो,
थे क्यों नहीं काटो,
नाथ थारे काई को घाटों रे,
सांवरिया काई को घाटो।bd।

गायक – देव शर्मा आमा।
8290376657

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com